आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार
दैनिक भास्कर
कुल पेज 18 राजस्थान मूल्य ₹ 5.00
dainikbhaskar.com झुंझुनूं मंगलवार, 25 जून, 2024 12 राज्य | 61 संस्करण
शेखावाटी भास्कर
झुंझुनूं, मंगलवार, 25 जून, 2024 झुंझुनूं • चिड़ावा • पिलानी सुदर्शनगढ़जी • बुहाना • सूरजगढ़ dainikbhaskar.com

जल परीक्षण किट और हिमोग्लोबिन मापन प्रणाली की प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण किया

भास्कर न्यूज़ | पिलानी

सीरी के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित \'हैंड-हेल्ड आईओटी-सक्षम फील्ड-तैनाती योग्य जल परीक्षण किट और हीमोग्लोबिन मापने की हैंड-हेल्ड न्यूनतम इनवेसिव प्रणाली\' की तकनीक का हस्तांतरण मैसर्स प्लास्टी सर्ज इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड महाराष्ट्र को किया गया।

इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. जितेंद्र सिंह और डीएसआईआर सचिव डॉ. एन कलैसेल्वी व सीएसआईआर महानिदेशक भी उपस्थित रहे। \'सीएसआईआर - एक सप्ताह, एक थीम\' कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान इंडिया हैबिटेट सेंटर नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने मैसर्स प्लास्टी सर्ज इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड के अधिकारियों के साथ समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। इस कार्यक्रम में डॉ. मनीष मैथ्यू भी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. पंचारिया ने कहा कि सीएसआईआर-सीरी का यह प्रयास न केवल भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देगा, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को भी प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित करेगा। यह तकनीकी हस्तांतरण सीएसआईआर प्रयोगशालाओं की प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह वैज्ञानिक नवाचार से आम लोगों को लाभान्वित करने के लिए इसे वास्तविक धरातल पर लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे न केवल औद्योगिक क्षेत्र को लाभ होगा, बल्कि आम जनता को भी उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं और जल सुरक्षा मिलेगी।

पिलानी. हस्तानांतरण समझौते करते अधिकारी।

रक्त की जांच को सुविधाजनक और दर्द रहित बनाएगी नई प्रणाली : हैंड-हेल्ड आईओटी सक्षम फील्ड-तैनाती योग्य जल परीक्षण किट\' से पानी की गुणवत्ता का त्वरित और सटीक परीक्षण संभव होगा, जो ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगा। वहीं \'हैंड-हेल्ड मिनिमल इनवेसिव हीमोग्लोबिन मापने की प्रणाली रक्त की जांच को और अधिक सुविधाजनक और दर्द रहित बनाएगी। इस तकनीकी हस्तांतरण से वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और उद्योग और अनुसंधान जगत के बीच सहयोग को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा।